30

खेल केन्द्र में माता-पिता और समुदाय की संलग्नता

बच्चों के विकास को दिशा प्रदान करने का कार्य एक सहयोगी प्रयास है, एक दो मार्गीय प्रक्रिया माता पिता तथा अध्यापकों के मध्य; प्ले सेंटर तथा घर के मध्य। कोई भी पक्ष बिना दूसरे पक्ष के समन्वय, समर्थन व सहयोग के प्रभावपूर्ण रूप से कार्य नहीं कर सकता है। उपयुक्त मार्गदर्शन के लिए मातापिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चे को समग्र रूप से देखे जाने की आवश्यकता है। इस अवधि के दौरान अध्यापक तथा माता पिता के संबंधों की गुणवत्ता आगे जीवन भर बच्चे को प्रभावित करती है।

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आपके लिए सम्भव होगाः

- प्ले सेंटर व घर के संबंधों की आवश्यकता को समझना;
- प्ले सेंटर मे माता पिता की साझेदारी (भूमिका) के अवसर तथा पद्धतियों को समझना;
- प्ले सेंटर में समुदाय की भागीदारी के महत्व को समझना;
- प्ले सेंटर में महिला मण्डलों की भूमिका का उल्लेख करना; तथा
- सहायक सेवाओं का पता लगाना।

30.1 खेल केन्द्र तथा घर के संबंध

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में परिवार की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह प्ले सेंटर के भीतर तथा बाहर अनेक महत्वपूर्ण विशेषताओं के विकास के लिए आधार उपलब्ध

कराता है। बच्चे के लिए माता पिता ही पहले सामाजिकरण कड़ी के रूप में उपलब्ध होते हैं। तत्पश्चात प्ले सेंटर/प्री–स्कूल कार्मिक आते हैं। इसलिए, प्ले सेंटर तथा घर दोनों को एक–दूसरे के साथ उचित समन्वय सहित कुशलतापूर्वक व सहयोगात्मक भाव के साथ कार्य करने की आवश्यकता होती है। एक अध्यापक तब तक बच्चे की रुचियों, आवश्यकताओं तथा प्रोत्साहन को नहीं समझ सकता है जब तक उसे बच्चे के घर का प्रारम्भिक ज्ञान न हो। जब अध्यापक मातापिता के साथ मिलकर कार्य करेंगे तभी वे प्ले सेंटरों में स्वस्थ तथा अनुकूल वातावरण का निर्माण कर पाएंगे।

30.2 महत्व

प्ले सेंटर के संबंध निम्नलिखित के सजन/निर्माण में सहायक होते हैं:

- बच्चे की रुचि का अनुमान लगाकर मातापिता तथा अध्यापकों के मध्य बेहतर समझ का सजन,
- एक प्ले सेंटर क्या है, इस संबंध में बेहतर समझ का सजन
- माता पिताओं के लिए अन्य बच्चों के माता पिता से मिलना व उनके अनुभवों से सीखने का अवसर, तथा
- बच्चे के पालन–पोषण तथा प्रशिक्षण में विकसित नई तकनीकों को समझना

यदि इन लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जाता है तो बच्चों को प्ले सेंटर पर तथा घर पर पोषक, समद्ध तथा सम्पूर्ण जीवन प्राप्त हो पाएगा। इसके लिए माता पिता तक नए रुझानों को सम्प्रेषित करने के लिए अध्यापक सर्वोत्तम कड़ी हैं।

30.3 खेल-केन्द्र तथा घर के संबंधों को प्रभावशाली कैसे बनाएं

प्ले सेंटर तथा घर के संबंधों को प्रभावशाली बनाने के लिए एक अध्यापक को:

- प्रत्येक माता पिता की आवश्यकताओं, भावनाओं तथा उम्मीदों को समझना चाहिए,
- इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि माता पिता क्या जानना चाहते हैं,
- अपने बच्चों के संबंध में मातापिता की आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए तथा उनसे अच्छा सहयोग प्राप्त करना चाहिए।
- मातापिता जैसे भी हों उनका आदर करें।
- मातापिता के साथ सुविधाजनक, स्वतंत्र तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखें।

- मातापिता से भी सीखने को तत्पर रहे।
- इस तथ्य का उजागर करना चाहिए कि अध्यापक बच्चे का कल्याण करना चाहता है तथा अपना कार्य अधिक कुशलतापूर्वक करने के लिए मातापिता का सहयोग चाहता है। अपना बचाव करने की अपेक्षा अभिभावकों को आरामदेह सुविधा प्रदान कराना।
- मातापिता के सुझावों को स्वीकार करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।
- एक अच्छा श्रोता बनना चाहिए तथा मातापिता को सम्प्रेषण के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- बच्चे की उपस्थिति में माता पिता के साथ बच्चे के संबंध में चर्चा से बचना चाहिए।
- तत्काल परिणामों पर नहीं पहुंचना चाहिए या तत्काल टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए।
- सकारात्मक दष्टिकोण रखना चाहिए तथा बच्चों के प्रति कम आलोचनात्मक होना चाहिए।
- धैर्यपूर्ण रहना चाहिए तथा बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से नहीं करनी चाहिए, तथा
- बच्चों पर रौब तथा अपना आधिपत्य न थोपें।

एक मजबूत तथा प्रभावी प्ले सेंटर घर संबंधों को बनाए रखने के लिए अध्यापक को अभिभावकों के साथ सकारात्मक संबंधों की स्थापना करनी चाहिए।

स्वयं प्रयास करें

अपने किसी समीपवर्ती प्ले सेंटर/प्ले स्कूल के अध्यापक से पता लगाएं कि वे मातापिताओं से अच्छे संबंध स्थापित करने के लिए क्या प्रयास करते हैं।

पाठगत प्रश्न 30.2

1. रिक्त स्थान भरें:

   (क) बच्चों के विकास में .... प्रथम व सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

   (ख) मातापिता को शिक्षा प्रणाली के नए रुझानों का ज्ञान .... से प्राप्त होता है।

   (ग) बच्चों से संव्यवहार करते समय अध्यापकों की .... प्रवति होनी चाहिए।

   (घ) अध्यापक द्वारा मातापिता को उसी रूप में .... किया जाना चाहिए जैसे वे हैं।

2. निम्नलिखित का उत्तर एक शब्द में दीजिए:

   (i) बच्चे के लिए प्रथम सामाजिकरण कड़ी का नाम बताइए।

   (ii) बच्चे को सबसे अच्छी तरह से कौन समझ सकता है।

   (iii) बच्चे की भावनाओं तथा कौशलों को अभिव्यक्ति कौन प्रदान कर सकता है।

   (iv) जब आप बच्चे के संबंध में मातापिता से चर्चा कर रहे हों तो वहां से किसे बाहर भेजा जाना चाहिए?

30.4 माता पिता की भागीदारी

प्ले सेंटरों में देखरेखकर्ता/अध्यापक अधिकतर दूसरे अभिभावक के रूप में कार्य करते हैं। यहां ध्यान रखने वालों का मातापिता के साथ मजबूत रिश्ता होना चाहिए तथा यह रिश्ता आपसी आदर व विश्वास पर आधारित होना चाहिए। बच्चा मातापिता तथा देखरेखकर्ता को एक संयुक्त उद्देश्य हेतु नजदीक लाता है।

प्ले सेंटरों का विस्तार घर तक होना चाहिए तथा घर के पूरक के रूप में कार्य करना चाहिए। इसलिए अभिभावकों के लिए कार्यक्रम प्ले–सेंटरों का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

बहरहाल, प्ले–सेंटर कितने ही कुशल क्यों न हों वे मातापिता के साथ गहन सहयोग में कार्य किए बिना बच्चों का इष्टतम विकास नही कर सकते हैं।

एक प्ले सेंटर में मातापिता की साझेदारी का क्षेत्र

मातापिता की साझेदारी की प्रक्रिया, उनकी साझेदारी को वास्तविक स्वरूप प्रदान करके मातापिता को उनकी शक्तियों, उनकी क्षमताओं तथा कौशलों से अवगत कराने तथा लाभप्रद रूप से उनका प्रयोग करने में सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया है।

मातापिता की साझेदारी से:

1. प्ले सेंटरों के बजटों पर वित्तीय भार में कमी प्रदत्त कर्मिकों की कमी को पूरा कर देते हैं।
2. अध्यापकों के लिए अभिभावकों की सहायता से अधिक अर्थपूर्ण तथा वैयक्तिक नाटक गतिविधियों को आयोजित करना सम्भव हो पाता है।
3. मातापिता प्रभावपूर्ण ढंग से अपनी भूमिका निभाने के लिए नई बातें सीखते हैं तथा बेहतर ढंग से संसाधित हो पाते हैं।

30.5 मातापिता की सन्नलिप्तताः पद्धतियां

(क) **अनौपचारिक वार्ताः** अध्यापक मातापिता से उस समय मिलते हैं जब वे सुबह बच्चों को प्ले सेंटर छोड़ने आते हैं तथा दोपहर में उन्हें लेने आते हैं। अभिभावकों के साथ अनौपचारिक वार्ता के द्वारा आपसी संबंध स्थापित किए जा सकते हैं।

(ख) **अभिभावकों की बैठकः** अभिभावकों की नियमित बैठकें अभिभावकों के लिए औपचारिक तथा औपचारिक रूप से प्ले सेंटर के लक्ष्यों, गतिविधियों को समझने तथा उनका मूल्यांकन करने के साधन हैं। अभिभावकों को प्रशिक्षित करने के लिए वक्तव्यों, प्रदर्शनियों, संवाद तथा सहायक उपकरणों यथा फिल्मों, कैसिटों, पुस्तकों, मॉडलों, प्रदर्शनियों व कटपुतलियों का प्रयोग किया जा सकता है।

(ग) **सामाजिक समारोहः** पिकनिक तथा फील्ड ट्रिप में बच्चों के साथ जाने से अभिभावकों को अध्यापकों को जानने का अवसर प्राप्त होता है और वे मित्रतापूर्ण नेटवर्क व सहयोग स्थापित कर सकते हैं। कई माताएं स्वेच्छा से आगे आकर बच्चों को सम्हालने के लिए अध्यापक की सहायता कर सकती हैं। यह उनके लिए विभिन्न स्तरों पर बच्चों की उत्सुकता व सजनात्मकता को कैसे विकसित किया जाए, इसे समझने का प्रत्यक्ष अनुभव के रूप में है। प्ले सेंटरों में त्यौहारों तथा खेलों का आयोजन इस प्रकार से किया जा सकता है कि बच्चे व उनके अभिभावक दोनों इनका आनन्द उठा सकें।

(घ) **घर का दौराः** अपेक्षित सूचना को एकत्र करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है बच्चे के घर जाना। अध्यापक अभिभावकों से बात करके उन्हें सूचित कर सकता है कि वह उनके घर आएगा। इससे अध्यापक बच्चे के घर की व्यवस्था को समझने तथा उपयुक्त रूप से बच्चे की मदद करने का प्रयास करता है।

(ङ) **अभिभावकों को शिक्षित करनाः** अभिभावक प्ले सेंटरों द्वारा महीने में एक बार या दो महीने में एक बार आयोजित शैक्षणिक कक्षाओं की सहायता से आपस में मिल सकते हैं तथा ज्ञान व विभिन्न कौशलों को प्राप्त कर सकते हैं। इन बैठकों/कक्षाओं को अभिभावकों द्वारा दिए गए विषय–वस्तु के आधार पर आयोजित किया जा सकता है। प्रतिरक्षण, ओरल रीहाइड्रेशन थैरेपी, बच्चों के लिए कहानियां तथा व्यर्थ सामग्री से खिलौने बनाना जैसे विषय अभिभावकों के लिए लाभप्रद होंगे।

(च) **व्यक्तिगत चर्चाः** कुछ मातापिता बैठक में अपने बच्चों की समस्याओं पर चर्चा करना पसंद नहीं कर सकते हैं, किन्तु अकेले में अध्यापक के साथ स्वच्छंद रूप से उस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। ऐसे अभिभावकों को यदि अध्यापक से चर्चा करने का अवसर प्रदान किया जाए तो इससे अध्यापक को बच्चों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत वार्ता या चर्चा की योजना भी बनाई जा सकती है या अनौपचारिक रूप से भी इस कार्य को किया जा सकता है।

सभी अभिभावक इस प्रकार की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं होना चाहते हैं। ऐसे अभिभावकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सहयोग के लिये प्रेरित करना चाहिए। जब अभिभावक प्ले सेंटर में सहयोग का निर्णय करेंगे तो वे प्ले सेंटर के प्रति जिम्मेदारी निभायेंगे एवं उत्तरदायी होंगे।

सहयोगी अभिभावकों के समूह की सहायता से अध्यापक पूरे वर्ष के लिए अभिभावकों के कार्यक्रम को तैयार कर सकते हैं तथा उन्हें उपयुक्त कार्य सौंप सकते हैं। वर्ष के अन्त में अध्यापक उनके कार्य की समीक्षा करेंगे तथा देखेंगे कि किन अभिभावकों के कार्यक्रम सफल रहे और कौन से अभिभावक असफल हुए। इस प्रक्रिया से भविष्य में अभिभावकों की साझेदारी की बेहतर योजना बनाई जा सकेगी।

स्वयं प्रयास करें

1. अभिभावकों के चार समूहों से मिलें तथा उनसे पता लगाएं कि वे अपने बच्चे के प्ले सेंटर में किन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं।
2. किन्हीं दो घरों का दौरा करें तथा वहां अभिभावकों से जानें कि वे बच्चों के प्ले सेंटर में किस रूप में शामिल होना चाहते हैं।

पाठगत प्रश्न 30.2

1. रिक्त स्थान भरें

   क) .... बच्चे के दूसरे अभिभावक हैं।

   ख) अध्यापक तब तक बच्चे को समझ नहीं सकता जब तक वह बच्चों के घर का .... प्राप्त नहीं करता।

   ग) बच्चे के .... घर में बच्चे के जीवन की बेहतर सूचना प्राप्त हो पाती है।

   घ) अभिभावकों की बैठक .... रूप से आयोजित की जानी चाहिए।

   ङ) प्रभावी प्ले सेंटर – घर के संबंधों के लिए अध्यापक द्वारा .... की साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

2. अध्यापक अभिभावक की संलिप्तता की विभिन्न पद्धतियों के नाम बताइए।

30.6 समुदाय की संलिप्तता

समुदाय में आस–पास के पड़ोस के परिवारों के सदस्य, समुदायिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न संस्थानों में कार्यरत कार्मिक शामिल हैं। एक अध्यापक के लिए उस समुदाय को

समझना अनिवार्य है जिसे प्ले सेंटर पोषित करता है। अध्यापक द्वारा स्वयं से कुछ प्रश्न पूछने चाहिए तथा समुदाय के परिवारों के साथ उन प्रश्नों पर चर्चा करनी चाहिए।

- क्या समुदाय के बच्चे स्वस्थ तथा सुपोषित हैं? उनके द्वारा किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?
- परिवारों की खाने की आदतें क्या हैं?
- उनकी वरीयताएं क्या हैं? क्या मांएं अपने बच्चों को अपना दूध पिलाती हैं? क्या वे नवदुग्ध को फेंक देती हैं? वे अपने बच्चे को अर्ध–ठोस आहार देना कब आरम्भ करती हैं? क्या वे हरे पत्तियों वाली सब्जियां तथा पीले फल खाती हैं तथा इन्हें अपने बच्चों को भी देती हैं?
- क्या अभिभावक उन्हें खेलने की अनुमति देते हैं?
- उनके बच्चों के समक्ष खेलने की क्या सुविधाएं उपलब्ध हैं?
- क्या उन्होंने अपने बच्चों को असंक्रमीकत कराया है? यदि नहीं, तो क्यों।
- परिवार प्री–स्कूल सुविधाओं का उपयोग कैसे करते हैं?
- क्या समुदाय में कोई प्राइमरी विद्यालय है।
- समुदाय में पर्यावरणीय साफ–सफाई की क्या स्थिति है?
- समुदाय में पयेजल का स्रोत क्या है? क्या वह सुरक्षित है? क्या उसके कारण अतिसार या अन्य बीमारियां होती हैं?
- क्या आपके क्षेत्र में कोई सामान्य बीमारियां या महामारी की समस्या है? उन्हें नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?
- क्या आपके समुदाय में किसी प्रकार का विकासात्मक कार्यक्रम चल रहा है?
- आपके यहां समुदाय नेता कौन है तथा प्ले–केन्द्रों में कौन से संगठन कार्यरत हैं?

यदि आप एक बार फिर इन प्रश्नों को देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि इन प्रश्नों के उत्तर आपको समुदाय के संबंध में एक बेहतर जानकारी उपलब्ध कराते हैं, जो कि प्ले–सेंटर के एक अध्यापक के लिए अति महत्वपूर्ण है।

स्वयं करके देखें

एक ऐसे समुदाय का दौरा करें जहां एक प्री स्कूल हो तथा तैयार की गई जांच सूची की सहायता से इसकी विशेषताओं तथा संसाधनों का पता लगाएं। इन्हें अपनी रिकार्ड बुक में दर्ज करें।

30.7 समुदाय के अन्य सदस्य

समुदाय के सदस्य, माताएं, बड़ी लड़कियां व लड़के को भी प्ले–केन्द्र को चलाने के विभिन्न पहलुओं में शामिल किया जा सकता है। ये पहलू निम्नानुसार हैः

- प्ले सेंटर को साफ व सुरक्षित बनाए रखना।
- प्ले सेंटर में एक बागीचा विकसित करना।
- प्ले सेंटर के लिए सुरक्षित पेय जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना।
- पौष्टिक भोजन बनाना व बच्चों को उपलब्ध कराना।
- बैठकों व शैक्षिक कक्षाओं के लिए माताओं तथा अन्य लोगों को एकत्र करना।
- बच्चों को गाने, खेल, कहानियां तथा नाटक के आयोजन आदि के सहायता से प्ले सेंटर में सहयोग देना।
- प्ले सेंटर में त्यौहारों का आयोजन करना।
- प्ले सेंटर को उपयुक्त रूप से संसाधित करने में समुदाय की मदद करना (यथा प्ले सेंटर के क्षेत्र के चारों ओर तारें लगाना)।
- अध्यापक को उनकी गतिविधियों में सहयोग करना।
- केन्द्र के खेल के उपकरणों को अनुरक्षित रखने में सहयोग देना।

इस प्रकार समुदाय के सदस्य प्ले सेंटर की प्रत्येक गतिविधि में सम्मिलित हो सकते हैं।

30.8 समुदाय का अंशदान

समुदाय प्ले सेंटरों को संसाधनों के अंशदान द्वारा भी अपना सहयोग उपलब्ध करा सकते हैं, जो निम्नानुसार हैः

क) खाद्य सामग्री जैसे अनाज तथा दालें उपलब्ध कराकर, इन्हें फसल की पैदावार के समय खरीदा जा सकता है ।

ख) स्थानीय सब्जियां, विशेष रूप से हरी पत्ते वाली तथा पीली सब्जियां।

ग) स्थानीय फल।

घ) प्ले सेंटर के लिए उपकरण जैसे पुराने टायर, लकड़ी के बीम आदि।

ङ) घरों से या कारीगरों से व्यर्थ सामग्री, जैसे प्लास्टिक के खाली बक्से, डिब्बे, पुराने खिलौने, कपड़ें के टुकड़े, ऊन, पुराने अखबार, पत्रिकाएं, लकड़ी के टुकड़े, चिकनी मिट्टी और अन्य वस्तुएं।

च) नकद दानः ध्यान रखें कि किसी प्रकार की नकद प्राप्ति व उसके उपयोग का ध्यानपूर्वक रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

समुदाय की सन्नलिप्तता का आकलन व्यक्तियों, स्थानीय लोगों, संस्थानों तथा संगठनों द्वारा एक प्ले सेंटर को स्थापित करने तथा उसे चलाने संबंधी सक्रिय भागीदारी की दष्टि से किया जा सकता है। स्थानीय समुदाय की संलिप्तता को उनके द्वारा प्ले सेंटर को स्थापित करने के लिए उपलब्ध किए जाने वाली भूमि, भवन, भोजन, ईंधन, श्रम, सामग्री तथा नकद के रूप में अंशदान की एक क्रिया है।

समुदाय की प्रगतिशील संलिप्तता स्थानीय संसाधनों को जुटाने का उनके उपयोग में वद्धि, व्यक्तियों तथा हितकारियों द्वारा अंशदान व साझेदारी में वद्धि से प्रदर्शित होती है।

30.9 प्ले सेंटरों को चलाने में महिला मंडलों की भूमिका

महिला मंडल पंजीकत स्थानीय महिला संगठन हैं। ये मंडल एक प्ले सेंटर को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

- प्ले सेंटर के सहयोग के लिए अभिभावकों का उत्साह बढ़ाकर, उन्हें प्ले सेंटरों में अपने बच्चों को भेजने के लिए प्रोत्साहित करके तथा प्ले स्कूल के लिए सहायक उपकरण, खेल की सामग्री एकत्र करना।
- नियमित रूप से बैठकें आयोजित करना।
- छोटे बच्चों के लिए प्ले सेंटरों के महत्व के संबंध में अपने समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करना।
- प्ले सेंटर के सफल संचालन के लिए समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

30.10 सहायक सेवाएं

एक प्ले सेंटर के संचालन में समाज का सहयोग एक महत्वपूर्ण कारक है। 'सहयोग सेवाओं' से तात्पर्य सामाजिक नेटवर्क की प्रकति और स्तर से है जिस तक व्यक्ति की पहुंच होती है। कोई व्यक्ति जिसका व्यापक समर्थन होता है वह अनेक व्यक्तियों का प्रोत्साहन, सलाह तथा सहयोग प्राप्त कर सकता है।

एक प्ले सेंटर को स्थापित करने में सहयोग करने वाले संगठन हैं:

- केन्द्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली
- भारतीय बाल कल्याण परिषद, नई दिल्ली
- विभिन्न राज्यों में सामाजिक कल्याण निदेशालय

ये संगठन जरूरतमंद बच्चों के समूहों के लिए बने प्ले सेंटरों/क्रच/प्री–स्कूल को प्रयोजित करते हैं।

पाठगत प्रश्न 30.3

1. रिक्त स्थान को भरें:

   क) प्ले सेंटर में अभिभावकों द्वारा .... को सहयोग दिया जाना चाहिए।

   ख) समुदाय की भागीदारी उसके द्वारा स्थानीय संसाधनों को .... के स्तर से परिलक्षित होती है।

   ग) फसल के दौरान समुदाय द्वारा .... व .... उपलब्ध कराई जा सकती है।

   घ) .... एक पंजीकत स्थानीय महिला संगठन है।

2. बताएं सही या गलतः

   क) एक प्ले सेंटर के संचालन में सामाजिक सहयोग महत्वपूर्ण संरक्षक कारक नहीं है। सही/गलत

   ख) सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में महिला मंडल प्रभावपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। सही/गलत

   ग) प्ले सेंटर में एक बाग को विकसित करना पूर्णतया समुदाय का प्रयास है। सही/गलत

   घ) समुदाय द्वारा पुराने टायर, लकड़ी के खम्भ प्ले सेंटर को उपलब्ध कराए जा सकते हैं। सही/गलत

आपने क्या सीखा

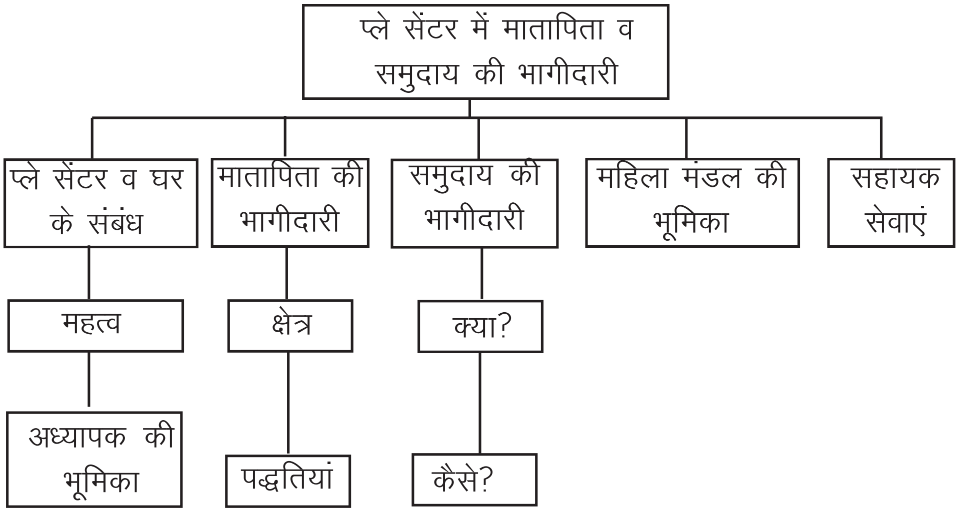

पाठांत प्रश्न

1. मातापिता की भागीदारी की विभिन्न पद्धतियों की सूची बनवाएं जिन्हें प्ले सेंटर द्वारा अपनाया जा सकता है?
2. एक महिला मंडल प्ले सेंटर की कैसे मदद कर सकता है?
3. एक प्ले सेंटर के अध्यापक का साक्षात्कार लीजिए तथा पता लगाइए कि समुदाय की भागीदारी के लिए क्या कार्यक्रम बनाए गए हैं।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

30.1

1. क) मातापिता ख) अध्यापक
   ग) सकारात्मक घ) आदर
2. (i) मातापिता (ii) मातापिता
   (iii) अध्यापक (iv) बच्चा

30.2

1. क) अध्यापक ख) ज्ञान
   ग) घर का दौरा घ) नियमित
   ङ) मातापिता
2. पाठ का संदर्भ लें

30.3

1. क) अध्यापक ख) जुटाना
   ग) अनाज व दालें घ) महिला मंडल
2. क) गलत ख) सही
   ग) सही घ) सही